

বিজ্ঞান

ডেওয়াল পার্কা  
ইতিহাস বিশেষ



Save Water  
Save life

Name: Riya Goswami

Roll: 133

Sub: History (2nd Sem) Wall Magazine

## - : ज्ञान उपचार - नंगे :-

① ज्ञान उपचार विकास करने के लिए :- जो भवाना और दिन बातें यहीं लिखि रखें, असल ज्ञानियों किसी ज्ञानियों नहीं जबकि इस छात्र या छात्रांते पैलेज़ द्वारा मानव ज्ञानानन्द करने। ज्ञान उपचार के अनुभवीय, ज्ञान अनुभावी शृणुष्व तथा आवाहा जाहाज़ लाति, ज्ञानम् लीजन। ज्ञान धारा लूपित्रीय जनसंघेन उत्पन्नः।

□ ज्ञानका निलेग्न, ज्ञानविकास कृच्छ्रते यहके लिये ऐसे लक्षण, विषयविलोक्य अधिक सामर्थ चाहौंनि, किसी ज्ञान गति उत्तरात् किसी अनुभवीय ज्ञानियों ज्ञान, या धूमणि द्वारा भावा जग्ने तथा, धारा, धारा, ज्ञानका जनन जाक्षिण्यान्; प्राकृति गुणित द्वारा प्रतिक्रिया, अस्थिति तथा प्रतिक्रिया, भवेत्, दृगदृश्य ज्ञानका प्रतिक्रिया, भवेत्, ज्ञान जन्मान् भवा प्रकाश उत्पन्नाणि, ज्ञान उपचार जग्ने जृत्यान् ज्ञानका ना भवा।

□ प्रतिपित ज्ञानका विषयान् विविध द्वारा जन्मत्वं भवि, ज्ञान अपितु न द्वा विषय लिये। अनिवार्य उत्तरो अंगों ज्ञान ज्ञानानन्दः। उपचार प्रतिपित ज्ञान शुभप्राप्त जनने ज्ञानका भवि अपेक्षन अपितु ज्ञाने एवं ज्ञान जाक्षिण्ये ज्ञानका भवेत् शुभलोऽप्नोऽप्नाते प्राप्तज्ञानः।

## করোনা ডায়াগ্নেস

শিল্পা মানুষ

কিন্তু হৃতিতে রোগ  
 নাও তার= করোনা  
 এখনো সাচিক দাওয়াহ  
 চিক ভাব জেলেনা।  
 আপু জেনিটাইজার=  
 অবাব= হাতে= শুভেচে  
 সতোহৃ জাপন পুমি  
 মাকে একটু দুরেতে  
 বাহ্যিকাগত= মেরুনো আনুম=  
 এসে পড়ল প্রাণেতে  
 মুখেক দূল ছাটে  
 অভিযোগ জানাতে  
 নিচুজুর কাশি হলে  
 ঠান্ডা চাগেছ তাহ  
 চোকের হস্তে কাশি  
 করোনা কি তার?  
 এ ঘোলি প্রমাণ করাব=  
 সাচিক সময়  
 রোগকে করো মুলা=  
 কিন্তু রোগীকে নয়=

Name - Shilpa Mandal

Semester - IV

Dept - History

Roll No - 116

"କବି ପାତେ ଲିଖୁଥିଲୁ କବାରେ ଆହାରିଛି, କି ଯାଏ ଅଂଶୁବିଜ୍ଞୋଳ  
ବ୍ୟାଧି ନମାଜେତ ଡାକୁ ଉଚ୍ଚରୁ ଜୋଖି ଲୁହାଲାରୁ ବିଲ୍ଲେ ନବନ୍ଦ୍ରିୟ  
ଦ୍ୱାରା କ୍ଷୁଦ୍ରିତ ହେଲା" ।

ଅଶ୍ଵାସ ରେ ଫଳାକ ରାଜକୁଳ ଜାଗଳେ ଥାଏ ଅବସ୍ଥା । ତାଙ୍କ କଷା ଜାତର  
ଅଜାନୁ ଥଣ୍ଡା ପାଇଁ ବାହାରୀ, ଅନାହାର କଷା କ୍ଷୁଦ୍ରିତ  
ମେଘାଳୀ ନେବା ହେଲା । "କ୍ଷୁଦ୍ରିତ କଷାକୁ ଛାପ ଦିଲେ ଏହା  
ଜୋଲାଜିବା ମହିନାରୁଦ୍ଧରେ ମୁଖ୍ୟମ କାହାରେ ଦୁଃଖରୀ ଥାଏ  
ଅଥବା ଦୁଃଖାଦିନୀମୁକ୍ତରେ କଷାକୁ ଛାପ ଆଜାର ପିଲାଖ୍ୟ  
ଜାମାଗାରେ । କ୍ଷୁଦ୍ରିତ ପାଇଁ କଷା ମାତ୍ର ଅହାର ମୁହଁ କଷାରେ ଥିଲା  
ଭାବନାଦିବିର ଆଶକ୍ତି କଷା ଏହାରେ । ଲୋକ ଲେବ ଦେଇ ବନ୍ଦ ବନ୍ଦ  
"କ୍ଷୁଦ୍ରିତ ମହିନାରୁଦ୍ଧରେ ବା" ଦେଇ ପ୍ରମାଣ କଷାର ମୁହଁ ଅନ୍ତର୍ଭାବରେ  
ଦେଇ ଅନାହାର କଷାକୁ ନିଧିମ ନାହିଁ କ୍ଷୁଦ୍ରିତ କଷାରେ କଷାରେ  
ପ୍ରତିକାଳ ଏହାରେ କଷାର ଆଉଥାର ମୁହଁ କ୍ଷୁଦ୍ରିତ କଷା ନିଧିମ ନିଧିମ  
କଷାରୁ କଷା ବା । ଯା ଜାରେ କଷାରେ ଏହି ଲାଗୁରୁକାହୁ ମାତିତ ।  
କଷାରୁ କଷା କଷା କଷା । ଯା ଜାରେ କଷାରେ ଏହି ଲାଗୁରୁକାହୁ ମାତିତ ।  
କଷାରୁ କଷା କଷା କଷା । କଷାରୁ କଷାରୁ କଷାରୁ । କଷାରୁ କଷାରୁ  
କଷାରୁ କଷାରୁ । କଷାରୁ କଷାରୁ । କଷାରୁ କଷାରୁ । କଷାରୁ କଷାରୁ ।  
କଷାରୁ କଷାରୁ । କଷାରୁ କଷାରୁ । କଷାରୁ କଷାରୁ ।

ଓପିନିଆର୍ଦ୍ଦିର ପାଇଁ ହେଲା କଷାରୁ ।

ମହୁଧେ ଖାକାରେ ଆଧିକ କଷା ଉଜାନ ଦେହା ଅଭିମ  
ଏହାରେ କିଲା । ଜାର ଉଇ କେବା କେ ବାହୁଧାରିତ କଷାରେ ନାହିଁ ଅଭିମ  
ଦିନାତ ଜ୍ଞାନିକାରୀ କଷାର ଏହାରେ । କଷାରୁ ପ୍ରକାଶର କଷାରୁ  
ଜାଲରେ, ୬ ଶେତିଧାର ଦୁଲ । ଶିଖ ଜାଣିଥିଲାମି କିମ୍ବା  
କଷାରୁ ଆନନ୍ଦ ଅଭିମ ଦୈତ୍ୟର ମୁଖରୁ ଗାଢ଼େମନ୍ତିର କଷାରୁ  
ମିଳିବାରେ କିମ୍ବା କଷାରୁ ଅଭିମ ଦୈତ୍ୟ ଆଜା ବାର ଶିଖ ପ୍ରକାଶ  
କଷାରୁ । ଶିଖ କଷାର ଯୁଗୋର କଷାର ବଳା ବୁଝି ଅଧିକ ଅଭିମ  
ଜାନିବାରେ ଗଲେବ କିମ୍ବା କଷାର ହୁଏ ହୁଏ । ଶିଖ କଷାରୁ  
କଷାରୁ ଆନନ୍ଦ ଆନନ୍ଦ କଷାରୁ କଷାରୁ । କଷାରୁ ଏହାରେ  
କଷାରୁ ଆନନ୍ଦ ଆନନ୍ଦ କଷାରୁ । କଷାରୁ ଏହାରେ ।

## ঘন্তা

### প্রিয়াঙ্কা চান্দ

ঝাঁঢ়াড় রেতে রেতে জাঁকি  
চেমু খাই ফিল - শান্তি,

অফলেও মন তো মে করে হুমু,

কিন্তু তাড় মন দূরে উড়ে যেতে চাহিয়ে,

অকালে তাড় মুঠুড় কাঁকে মেতে ওঁটি অবাদ,

কেউ কি জানে মে কি চাবু,

বলী মাটে তু ঘাঁঢ়াড় রেতে,

আড় কেঁচে মাতে শুধুয়ে শুধুয়ে,

কেবলি মে বলে ঘাস গোলো এই দ্বারা,

সাধু মা মে উড়ে ঘাঁড় বেগুনো গোবীড় ॥

ROLL NO. - 114 , Sem - IV , Dept. - History .

"ଆମ ଏହି କୁଣ୍ଡଳ ପୁରୀ ଦେଖିବା  
କିମ୍ବା ଏହି କୁଣ୍ଡଳ ପୁରୀ ଦେଖିବା"

२५ अमरावती द्रविड़ शहर 'जगद्गुरुपालं भास' का नामांकण  
दिल्ली के लोग उस शहर का नाम 'जगद्गुरुपालं अद्वानं रामानं' तो ही । १८८४  
लक्ष्मीनारायण द्वितीय राजा का नाम 'जगद्गुरुपालं रामानं अद्वानं' अधिक  
प्रसिद्धि ले लिया है जबकि इसका अर्थ 'जगद्गुरुपालं रामानं अद्वानं'  
भारतीय लोकों के लिये अस्तित्व में नहीं है।

५ लिखुय तोरे नविकारु अस्त्रु द्विष्टाम, याहु द्विभास अनुष्ठानाम  
अस्त्रिमानाम लक्ष्मी शुभ अदान द्विम, बुद्ध अस्त्रु वायाम ज्ञाना वैत्तिकाम अग्रामाम द्विम  
अस्त्राम अस्त्रु वायाम द्वितीयम, याहु अस्त्रु वायाम द्वितीयम अस्त्रु वायाम द्वितीयम।

मिनी वार्षिकी के अनुदानों का एक लाभ जीवन का है। इसका उल्लेख ग्रन्थालय  
में आपका एक वर्षा अवधि के दौरान अनुदानों का एक अतिरिक्त लाभ है। यहाँ ग्रन्थालय के प्रबन्ध  
कार्यालय में आपको एक वर्षा अवधि के दौरान अनुदानों का एक अतिरिक्त लाभ है। यहाँ ग्रन्थालय के प्रबन्ध  
कार्यालय में आपको एक वर्षा अवधि के दौरान अनुदानों का एक अतिरिक्त लाभ है।

५. शिव भास्तु संग्रहालय दिल्ली में एवं नगरपालिका अधीक्षण  
नगरपालिका, जो लिया गया अनुमति दिया गया "दिल्ली के लिया गया" उल्लेख  
नगरपालिका, जो लिया गया अनुमति दिया गया "दिल्ली के लिया गया" उल्लेख  
नगरपालिका, जो लिया गया अनुमति दिया गया "दिल्ली के लिया गया" उल्लेख  
नगरपालिका, जो लिया गया अनुमति दिया गया "दिल्ली के लिया गया" उल्लेख

२०१५-१६। यह समीक्षा अवधारणा के विषय में लिखी गई अधिकारी प्रतिक्रिया है।

१८. गोपनीयता के अवधि साक्षर नहीं आएगा तब तक वाली जल्दी  
जल्दी दिल का अस्तित्व दिल से नहीं अनुभव होता जल्दी जल्दी  
जल्दी जल्दी जल्दी जल्दी जल्दी जल्दी जल्दी जल्दी जल्दी

ବ୍ୟାକ ବିଷୟରେ ପ୍ରକାଶିତ ପାଦାନାମରେ ଅଧିକ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ଅବଲମ୍ବନ କରାଯାଏ